

गुठलाना अ.क्रि. (देश.) गुठली की तरह कड़ा और गोल होना अ.क्रि. चाकू या अस्त्र-शास्त्र की धार का कुंठित होना।

गुठली स्त्री. (तद्.) 1. किसी फल का बड़ा और कड़ा बीज 2. गिलटी।

गुड ईवनिंग स्त्री. (अं.) संध्या के समय का अंग्रेजी अभिवादन का वचन जो किसी से मिलने के समय कहा जाता है, इसका अभिप्राय है कि यह संध्या आपके लिए शुभ हो। good-evening

गुड़ पुं. (तद्.) 1. गेंद, कुंदुक 2. ग्रास, कौर 3. हाथी का कवच 4. कपास का पेड़ 5. गोली 6. ईख या ताड़-खजूर के रस को गाढ़ा करके बनाई हुई बट्टी या भेली **मुहा.** गुड़गोबर करना-चौपट करना, खराब करना; गुड़ गोबर होना-खराब होना; गुड़ दिखाकर ढेला मारना-लाभ का लोभ देकर कष्ट देने का काम करना; गुड़ होगा तो मक्खियाँ आएँगी- धन होगा तो खाने वाले आएँगे; कुल्हिया में गुड़ फूटना-छिपे-छिपे सलाह होना, गुप्त रीति से कोई पाप होना; गुड़ दिए मरे तो हजर क्यों दे- नरमी से काम चले तो कड़ाई क्यों करे।

गुड़क पुं. (तद्.) 1. गोल पदार्थ 2. ग्रास, कौर 3. गुड़ में पकाकर बनाई गई दवा।

गुड़गुड़ाना अ.क्रि. (अनु.) गुड़गुड़ शब्द होना।

गुड़ांब पुं. (देश.) गुड़ की चाशनी में डाल कर पकाया हुआ कच्चा आम।

गुलगुथना वि. (देश.) मोटा ताजा, जिसका बदन खूब भरा और गाल फूले हो।

गुड़-गुड़ पुं. (अनु.) हुक्का पीने या आँतों में वायु के संचार से होने वाला शब्द।

गूँजना अ.क्रि. (तद्.) 1. गुनगुनाना 2. भौरों का भनभनाना।

गूँधना स.क्रि. (तद्.) आटा आदि को पानी मिलाकर माँड़ना।

गृद्ध (गुद्ध) पुं. (तत्.) गृध्र, गिद्ध (पक्षी)।

गृधसी स्त्री. (तत्.) एक वातरोग जिसमें कमर से एड़ी तक भीषण दर्द होता है।

गृह पुं. (तत्.) घर, मकान।

गृह-कार्य पुं. (तत्.) 1. घर का काम-काज, घरेलू काम 2. विद्यार्थी को शिक्षक के द्वारा घर पर करने के लिए दिया गया कार्य।

गृह किंकरी स्त्री. (तत्.) 1. घरेलू काम करने वाली सेविका 2. दासी।

गृहजन पुं. (तत्.) घर के सब लोग, कुटुंबी।

गृहजात वि. (तत्.) जो घर में उत्पन्न हो, गृहज जैसे- गृहजात उलझने।

गृहत्याग पुं. (तत्.) 1. घर का त्याग 2. विरक्त भाव से घर छोड़कर चले जाना।

गृहत्यागी वि. (तत्.) घर त्यागकर जाने वाला पुं. वानप्रस्थी या सन्यासी।

गृहदाह पुं. (तत्.) 1. घर में आग लगना 2. ऐसा घरेलू कलह जिससे घर की सुख, शांति आदि नष्ट हो जाए।

गृह-देवता पुं. (तत्.) घर का अधिष्ठाता देवता या देवी, कुल-देवता।

गृह-देवी स्त्री. (तत्.) गृहस्वामिनी, पत्नी, गृहिणी, भार्या।

गृहपति पुं. (तत्.) 1. घर का स्वामी/मालिक 2. अग्नि।

गृहपत्नी स्त्री. (तत्.+तद्.) घर की मालकिन, गृहस्वामिनी।

गृह-पशु पुं. (तत्.+तद्.) पालतु पशु।

गृह-पालित वि. (स.) घर में पाला-पोसा हुआ।

गृहपाल वि. (तत्.) घर का रक्षक, चौकीदार।

गृह-प्रवेश पुं. (तत्.) नए बने या खरीदे हुए मकान में निवास आरंभ करने से पहले परिवारके साथ किया जाने वाला शास्त्रीय अनुष्ठान और पूजा-पाठ।